2.28

43 23

कार्यालय मुख्य अभियन्ता कुमायूँ क्षेत्र
लोक निर्माण विभाग अल्मोडा

पत्रांक 187/ए–3/कुमायूँ/2009 दिनांक ~~12.12.08~~ 27.12.08

सेवा में

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग
रानीखेत

विषय– **जनपद अल्मोड़ा में हरड़ा–भिकियासैण मोटर मार्ग के 15.00 कि0मी0 सडक संरेखण की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।**

जनपद अल्मोड़ा में हरड़ा–भिकियासैण मोटर मार्ग के 15.00 कि0मी0 सडक संरेखण की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या जी–177/संरेखण/कुमायूँ/2008 की एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही हैं ।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार

27.12.08
(मणि कर्णिका मिश्र)
भू–वैज्ञानिक
कार्या मुख्य अभियन्ता,कुमायूँ क्षेत्र,
लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा।

पत्रांक 187/ए–3/कुं0/09 तद्दिनांक

प्रतिलिपि :–

1 मुख्य अभियन्ता, कुमाऊँ क्षेत्र, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा की सेवा में उक्त आख्या की एक प्रति सहित सूचनार्थ प्रेषित।
2 अधीक्षण अभियन्ता, प्रथम वृत्त, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उक्त आख्या की एक प्रति सूचनार्थ प्रेषित।
3 भू0 वैज्ञानिक, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उक्त आख्या की एक प्रति सूचनार्थ प्रेषित।

छायाप्रति सत्यापित
अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रानीखेत

भू–वैज्ञानिक
कार्या मुख्य अभियन्ता,कुमायूँ क्षेत्र,
लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता कुमायूँ क्षेत्र
लोक निर्माण विभाग अल्मोडा

भूगर्भीय खण्ड

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या जी–177/सड़क संरेखन/कुमायूँ/2009

जनपद अल्मोड़ा में हरड़ा–भिक्यासैण मोटर मार्ग के 15.00 कि0मी0 सडक संरेखण की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या

दिसम्बर
2008

जनपद अल्मोड़ा में हरड़ा–भिक्यिासैण मोटर मार्ग के 15.00 सडक संरेखण की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

1–प्रस्तावना :–

जनपद अल्मोड़ा में प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रानीखेत के द्वारा हरड़ा–भिक्यिासैण मोटर मार्ग के 15.00 कि0मी0 भाग का बनाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता के द्वारा किये गये अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण दिनांक 27.12.2008 को श्री एस.पी. सिन्हा, सहायक अभियन्ता श्री मनोज शर्मा, कनिष्ठ अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, रानीखेत के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। स्थल का निरीक्षण स्थल संरचना व बनावट भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अध्ययन हेतु किया गया ताकि इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु सुझाव दिया जा सकें।

2–स्थितिः–

3. यह सड़क हरड़ा–भिकियासैण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से प्रारंभ होता हैं।
4. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार हरड़ा 29° 16 56.79 अक्षांश तथा 79° 17.16 39.4 देशान्तर पर स्थित हैं।

3–भूगर्भीय स्थितिः–

यह सड़क संरेखन कुमायूँ लेसर हिमालय के रामगढ़ वर्ग के अंतर्गत क्वार्टजाइट फॉरमेशन में फैला हुआ. हैं। स्थल क्षेत्र में मटमैले मिट्टी के रंग की महीन एवं मोटे पर्त वाली क्वार्टजाइट चट्टाने स्पष्ट रूप से सम्पूर्ण क्षेत्र में तीन प्रकार के ज्वाईन्ट से पूर्ण, पूर्वोत्तर दिशा के झुकाव से साथ स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। चट्टानों के ऊपर डेब्रिस एवं मिट्टी की परत विद्यमान हैं। चट्टानों में किया गया अध्ययन निम्नवत हैं।

1– 130–310	/पूर्वोत्तर	/37^0	नति
2– 130–310	/पूर्वोत्तर	/39^0	नति
3– 130–310	/पूर्वोत्तर	/41^0	नति
4– 120–300	/दक्षिणपश्चिम	/47^0	ज्वाइंट
5– 120–300	/दक्षिणपश्चिम	/49^0	ज्वाइंट
6– 120–300	/दक्षिणपश्चिम	/51^0	ज्वाइंट

(26) (46)

7– 50–230	/दक्षिणपूर्व	/73°	ज्वाइंट
8– 50–230	/दक्षिणपूर्व	/75°	ज्वाइंट
9– 50–230	/दक्षिणपूर्व	/77°	ज्वाइंट

इस स्थल क्षेत्र में भूगर्भीय टेक्टोनिक कम निम्नवत हैं।

मिट्टी की परत

डेब्रिस

क्वार्टजाइट

क्वार्टजाइट

क्वार्टजाइट

क्वार्टजाइट

इस संपूर्ण सड़क संरेखण में पहाडी ढलान सामान्य से तीव्र स्थिति में दक्षिण पूर्व, पूर्वोत्तर, पश्चिमोत्तर, दिशा में हैं। इसमें कई सूखे नाले भी विद्यमान हैं।

4–स्थल वर्णनः–

यह सड़क संरेखन जनपद अल्मोड़ा में हरड़ा–भिकियासेण मोटर मार्ग के कि0मी0 12 से प्रारंभ होकर थापला ग्राम के बीच 15.00 कि0मी0 लम्बाई में फैला हुआ हैं। उक्त मोटर मार्ग से यह संरेखन प्रारंभ होकर 3.00 कि0मी0 पूर्वोत्तर दिशा को दक्षिणपूर्व दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ जाता है। उसके बाद संरेखण पश्चितमोत्तर दिशा को पूर्वोत्तर दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ कि0मी0 8 के अन्त तक जाता है। कि0मी0 9–12 का पहाड़ी ढलान पश्चिमोत्तर दिशा की ओर है। कि0मी0 13–15 का पहाडी ढलान पूर्वोत्तर दिशा की ओर है। इस संरेखन का सम्पूर्ण भाग क्वार्टजाइट चट्टानी भाग में है। इस संरेखन का अधिकत्म भाग नाप भूमि से होकर गुजरता है । शेष भाग बेनाप भूमि से गुजरता है।

इस संपूर्ण संरेखण में पहाड़ी ढलान सामान्य से तीव्र स्थिति में हैं। इसमें कई सूखे नाले हैं। इस संरेखन के कि0मी0 1 में बमन गांव किमी0 2 में कटोली एवं सिरोली ग्राम तथा प्राइमरी पाठशाला और कि0मी0 3.00 में चापड़ गांव तथा प्राइमरी पाठशाला विद्यमान है। कि0मी0 4 में जांख गधेरा ग्राम तथा कि0मी0 5 में पंचुरा ग्राम, कि0मी0 6–7 में अनाखेत ग्राम, किमी0 8 में घरखेत ग्राम एवं प्राइमरी पाठशाला विद्यमान है। कि0मी0 11 में दड़मोड़ी ग्राम एवं प्राइमरी पाठशाला विद्यमान है। कि0मी0 12 में तया गांव, किमी0 15 मे थापला ग्राम एवं प्राईमरी पाठशाला विद्यमान हैं। इस संरेखण के किमी0 18 में 1 पैरीनियल नाला दक्षिण पूर्व से पश्चिमोत्तर दिशा को बहता हैं। इस संरेखण में कोई भी भू–स्खलन क्षेत्र विद्यमान नही है। इस संरेखण का अधिकत्म भाग बेनाप तथा शेष भाग नाप भूमि से होकर गुजरता है।

इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो संरेखन स्थल देखे गये हैं। प्रथम संरेखन स्थल भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के दृष्टिकोण से स्थायित्व के विचार से उचित एवं उपयुक्त पाये जाने पर अनुमोदित किया गया हैं जिसका वर्णन उपरोक्तानुसार किया गया हैं। द्वितीय संरेखन स्थल भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के दृष्किोण से स्थायित्व के विचार से अनुचित एवं अनुपयुक्त पाये जाने पर निरस्त किया गया हैं।

5–स्थायित्व का विचारः–

इस स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूजलीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग के निर्माण करने हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक हैं।

1 यह स्थल क्षेत्र पर्वतीय क्षेत्र में हैं।

2 यह भूकम्पीय क्षेत्र में हैं।

3 इसमें कई ग्राम आते हैं।

4 इसमें कई सूखे नाले हैं।

5 पर्यावरण का ध्यान रखा जाय।

6 संरेखन का अधिकत्म भाग चट्टानी भाग में हैं।

7 इसमे एक प्राईमरी पाठशालाए विद्यमान हैं।

8 इसमें कुछ मन्दिर भी विद्यमान हैं।

9 पहाड़ी ढलान सामान्य से तीव्र स्थिति में हैं।

6. सुझावः–

छायाप्रति सत्य...

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रानीखेत

इस संरेखन की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, स्थायित्व का विचार, भूगर्भीय, भूजलीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं :–

1 पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।

2 पहाड़ी की बनावट के अनुसार ही ब्रेस्ट/रिटेनिंग वाल का निर्माण किया जाय।

3 सूखे नालो पर स्कपर/डबल स्कपर/कल्वर्ट/कॉजवे का निर्माण बनाया जाय।

4 मिट्टी वाले/डेब्रिस वालू भाग में मार्ग निर्माण करते समय मार्ग के वाह्य भाग को ऊँचा रखा जाय ताकि वर्षा के दिनों में पानी मार्ग को पार कर न बहे जिससे मार्ग यथावत बना रहे।

5 पर्यावरण को ध्यान में रखकर मोटर मार्ग का निर्माण किया जाय।

6 ग्राम वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का उपयोग न किया जाय।

7 पर्वतीय क्षेत्रों में बनने वाले मार्गों के मानकों के अनुरूप उपाय किये जाय।

8 भूकम्पीय मानक के अनुसार उपाय किये जाय।

9 अन्य आवश्यक उपाय जो मार्ग आवश्यक हो किए जाय।

7–निष्कर्षः–

उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखकर इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण करना उचित एवं उपयुक्त प्रतीत होता हैं।

27.12.08

(मणि कर्णिका मिश्र)
भू–वैज्ञानिक
कार्या मुख्य अभियन्ता,कुमायूँ क्षेत्र,
लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा।

छायाप्रति सत्यापित
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रानीखेत